NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th

Subject : हिंदी

Chapter : 15

Chapter Name : नीलकंठ

Q1. मोर-मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?

Answer. मोर का नाम नीलकंठ उसकी नीली गर्दन के आधार पर रखा गया | मोरनी उसकी छाया की तरह उसके साथ रहती थी इसलिए उसका नाम राधा रखा गया |

Page : 116 , Block Name : निबंध से

Q2. जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का किस प्रकार स्वागत हुआ?

Answer. जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का स्वागत बिल्कुल वैसा हुआ जैसे किसी घर में नई वधु का होता हैं | लक्का कबूतर नाचना छोड़कर उनके चारों और घूमकर गुटरगूँ-गुटरगूँ करने लगे | बड़े खरगोश उनका निरीक्षण करने लगे और छोटे खरगोश उनके चारों ओर उछलकूद करने लगे | तोते एक आँख बंद करके उनका निरीक्षण करने लगे |

Page : 116 , Block Name : निबंध से

Q3. लेखिका को नीलकंठ की कौन-कौन सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?

Answer. लेखिका को नीलकंठ का गरदन ऊँची करके देखना, उसका गरदन झुकाकर दाना चुगना, पानी पीना, गरदन तिरछी करके शब्द सुनना बहुत सुंदर लगता था |

Page : 116 , Block Name : निबंध से

Q4. 'इस आनंदोत्सव की रागिनी में बेमेल स्वर कैसे बज उठा'- वाक्य किस घटना की ओर संकेत कर रहा है?

Answer. नीलकंठ और राधा एक दूसरे के साथ बहुत आनंदपूर्वक रहते थे | एक दिन लेखिका अपने घर एक अधमरी मोरनी को ले आई | वो मोरनी जब ठीक हुई तो उसे भी जालीघर में पहुँचा दिया लेकिन वह अन्य जीवों के साथ घुलमिल नहीं पाई | वह राधा को नीलकंठ के पास भी नहीं आने देती थी | उसने राधा के अंडे भी फोड़ दिए थे | इन सबसे नीलकंठ और राधा बहुत दुखी रहने लगे थे और एक दिन नीलकंठ का अंत हो गया | इस आनंदोत्सव की रागिनी में बेमेल स्वर कैसे बज उठा - इस वाक्य से लेखिका ने इसी घटना की ओर इशारा किया हैं |

Page : 116 , Block Name : निबंध से

Q5. वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए जालीघर में बंद रहना असहनीय क्यों हो जाता था?

Answer. वसंत ऋतु मोर की प्रिय ऋतु होती हैं | जब वसंत ऋतु में आम के पेड़ों पर मंजरिया आती है और अशोक के वृक्ष पर नए लाल पत्ते आते हैं | ये दृश्य नीलकंठ को अपनी ओर आकर्षित करते और वह जालीघर में बेचैन हो जाता था |

Page : 116 , Block Name : निबंध से

Q6. जालीघर में रहनेवाले सभी जीव एक-दूसरे के मित्र बन गए थे, पर कुब्जा के साथ ऐसा संभव क्यों नहीं हो पाया?

Answer. जालीघर में रहनेवाले सभी जीव एक-दूसरे के मित्र बन गए थे लेकिन कुब्जा सिर्फ नीलकंठ के साथ रहना चाहती थी | वह किसी को भी नीलकंठ के पास नहीं आने देना चाहती थी इसलिए किसी से उसकी मित्रता नहीं थी |

Page : 116 , Block Name : निबंध से

Q7. नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप से किस तरह बचाया? इस घटना के आधार पर नीलकंठ के स्वभाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

Answer. एक बार एक साँप पशुओं के जालीघर के भीतर आ गया। उसने एक शिशु खरगोश को पकड़ लिया और निगलना चाहा | साँप ने खरगोश का आधा पिछला शरीर मुँह में दबा लिया। नन्हा खरगोश धीरे-धीरे चीं-चीं कर रहा था। सोये हुए नीलकंठ ने जब यह क्रंदन सुना तो वह झट से अपने पंखों को समेटता हुआ झूले से नीचे आ गया। उसने बहुत सतर्क होकर साँप के फन के पास पंजों से दबाया और फिर अपनी चोंच से इतने प्रहार उस पर किए कि वह अधमरा हो गया और फन की पकड़ ढीली होते ही खरगोश का बच्चा मुख से निकल आया। इस प्रकार नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप से बचाया।

इस घटना के आधार पर नीलकंठ के स्वभाव की निम्न विशेषताएँ उभर कर आती हैं –

· नीलकंठ बहुत साहसी था | उसने अपने प्राणों की परवाह किये बिना खरगोश की जान बचायी|

· नीलकंठ बहुत ही सतर्क रहता था | खरगोश की इतनी धीमी पुकार अन्य कोई प्राणी नहीं सुन पाया था | लेकिन नीलकंठ ने सुना और उसकी जान बचाने आया |

· नीलकंठ ने बहुत बहादुरी से साँप का सामना किया और उसके दो टुकड़े कर दिए |

· दयालु प्रवृत्ति का होने के कारण ही वह खरगोश के बच्चे को सारी रात अपने पंखों में छिपाकर ऊष्मा देता रहा।

Page : 117 , Block Name : निबंध से

Q1. यह पाठ एक 'रेखाचित्र' है | रेखाचित्र की क्या-क्या विशेषताएँ होती हैं? जानकारी प्राप्त कीजिये और लेखिका के लिखे किसी अन्य रेखाचित्र को पढ़िए |

Answer - साहित्य में साहित्यकार कुछ शब्दों में ऐसा चित्र अंकित कर देता है जो उस व्यक्ति या वस्तु का परिचय दे सके, रेखाचित्र कहलाता है | रेखाचित्र में छोटी-छोटी घटनाओं का समावेश होता हैं | रेखाचित्र भावनात्मक और सरल होते है | अतीत के चलचित्र और स्मृति की रेखाएं महादेवी द्वारा लिखे गए रेखाचित्र है |

Page : 117 , Block Name : निबंध से आगे

Q2. वर्षा ऋतु में जब आकाश में बादल घिर आते हैं तब मोर पंख फैलाकर धीरे-धीरे मचलने लगता है - यह मोहक दृश्य देखने का प्रयास कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करे |

Page : 117 , Block Name : निबंध से आगे

Q3. पुस्तकालय से ऐसी कहानियों, कविताओं या गीतों को खोजकर पढ़िए जो वर्षा ऋतु और मोर के नाचने से संबंधित हों |

Answer - छात्र स्वयं करे |

Page : 117 , Block Name : निबंध से आगे

Q1. निबंध में आपने ये पंक्तियाँ पढ़ी हैं-'मैं अपने शाल में लपेटकर उसे संगम ले गई। जब गंगा की बीच धार में उसे प्रवाहित किया गया तब उसके पंखों की चंद्रिकाओं से बिंबित-प्रतिबिंबित होकर गंगा का चौड़ा पाट एक विशाल मयूर के समान तरंगित हो उठा।'-इन पंक्तियों में एक भावचित्र है। इसके आधार पर कल्पना कीजिए और लिखिए कि मोरपंख की चंद्रिका और गंगा की लहरों में क्या-क्या समानताएँ लेखिका ने देखी होंगी जिसके कारण गंगा का चौड़ा पाट एक विशाल मयूर पंख के समान तरंगित हो उठा।

Answer. गंगा की लहरों पर जब सूर्य की किरणें पड़ती हैं तो वह इंद्रधनुष के समान सतरंगी दिखाई देने लगती हैं | उसी तरह जब मोर अपने पंख फैलाते है तो बहुत ही मोहक लगते हैं जैसे इंद्रधनुष लगता हैं |

Page : 117 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2. नीलकंठ की नृत्य-भंगिमा का शब्दचित्र प्रस्तुत करें |

Answer - जब आकाश में बादल घिर आते है तो मोर अपने पंख फैलाकर नाचने लगते हैं | मोर के पंख इंद्रधुनष के समान लगते है और यह दृश्य बहुत ही मोहक होता है |

Page : 117 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1. 'रूप' शब्द से कुरूप, स्वरूप, बहुरूप आदि शब्द बनते हैं। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों से अन्य शब्द बनाओ-

गंध रंग फल ज्ञान

Answer.

गंध - सुगंध , दुर्गन्ध

रंग - रंगीन , रंगहीन , रंगरोगन

फल - असफल , विफल , सफलता

ज्ञान - अज्ञान , विज्ञान

Page : 117 , Block Name : भाषा की बात

Q2. विस्मयाभिभूत शब्द विस्मय और अभिभूत दो शब्दों के योग से बना है। इसमें विस्मय के य के साथ अभिभूत के अ के मिलने से या हो गया है। अ आदि वर्ण हैं। ये सभी वर्ण-ध्वनियों में व्याप्त हैं। व्यंजन वर्णों में इसके योग को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जैसे- क्+अ = क इत्यादि। अ की मात्रा के चिह्न (ा) से आप परिचित हैं। अ की भाँति किसी शब्द में आ के भी जुड़ने से अकार की मात्रा ही लगती है, जैसे- मंडल + आकार= मंडलाकार। मंडल और आकार की संधि करने पर(जोड़ने पर) मंडलाकार शब्द बनता है और मंडलाकार शब्द का विग्रह करने पर (तोड़ने पर) मंडल और आकार दोनों अलग होते हैं। नीचे दिए गए शब्दों के संधि-विग्रह कीजिए –

संधि विग्रह

नील + आभ = ... सिंहासन = ...

नव + आगंतुक = ... मेघाच्छन्न = ...

Answer.

नील + आभ = नीलाभ

नव + आगंतुक = नवागंतुक

सिंहासन = सिंह + आसन

मेघाच्छन्न = मेघ + आछन्न

Page : 118 , Block Name : भाषा की बात